PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

# प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 8 ▸ Mumbai ▸ Friday, 27 March to 2 April 2026 ▸ Weekly ▸ Pages: 8 ▸ Price : 3 Rs.

# अंधश्रद्धा का हमेशा विरोध - मुख्यमंत्री

## अगर जादू काम करता, तो धोखेबाज खरात ट्रंप को सलाह देता – फडणवीस

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

मुंबई - नासिक के ढोंगी बाबा अशोक खरात की रोज नई-नई कहानियां सामने आ रही है। इस मामले में महायुति सरकार के कई सारे मंत्रियों के नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा सरकार कानून-व्यवस्था सहित तमाम मामलों में घिरती जा रही है। इन सभी के बीच बजट सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जवाबों के खूब तीर चलाए। अंधश्रद्धा और ढोगी बाबा पर व्यंग करते हुए मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर जादू टोना से समस्याएं हल होती तो ढोंगी बाबा ट्रंप का सुरक्षा सलाहकार होता, युद्ध ड्रोन की बजाय नींबू-मिर्ची से

लड़ी जाती। फडणवीस ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकवाद को खत्म करने के लिए सीमा पर सैनिक नहीं भेजने पड़ते। पांच-दस ढोंगी बाबा भेजते और हमारी सीमा पूरी तरह सुरक्षित हो जाती। चुनाव सभाएं भी नहीं लेनी पड़ती। एक ही जगह बैठकर चुनाव जीते जा सकते थे। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि श्रद्धा और अंधश्रद्धा के बीच बहुत महीन फर्क होता है, और जब यह रेखा टूटती है तो उसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में संत परंपरा रही है, संतों ने किसी देवता को नकारा नहीं, लेकिन अंधश्रद्धा का हमेशा विरोध किया। विधानसभा में मुख्यमंत्री फडणवीस ने रामनवमी त्योहार का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में धर्म बढ़े, लेकिन नकली, ढोंगी बाबाओं के लिए कोई स्थान नहीं मिलना चाहिए। बाबाओं और अंधश्रद्धा पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा वही है जिसमें सकारात्मकता, ईमानदारी और किसी का अहित न हो। जो दूसरों को नुकसान पहुंचाए, वह श्रद्धा नहीं बल्कि अंधश्रद्धा है। मुख्यमंत्री ने विधायकों से अपील करते हुए कहा कि खरात मामले से जुड़ी जो भी जानकारी उनके पास है, वह सरकार के बताए, ताकि दोषियों को सख्त सजा दी जा सके।

# 10 हजार ठिकानों पर हमला, 92 फीसदी जहाज नष्ट

## ईरान को लेकर अमेरिका का दावा

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

नई दिल्ली - इजरायल ने ईरान के इस्फहान शहर के आसपास बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। युद्ध अब 27वें दिन में दाखिल हो चुका है। इस हमले में ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने कहा इस जंग की शुरूआत के बाद अब तक उसने ईरान के 10 हजार ठिकानों पर बम बरसाए हैं। इसके अलावा अमेरिका सेना ने दावा किया है कि ईरान के 92 फीसदी जहाज तबाह कर दिए गए हैं। स्थानीय लोगों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार यानी 26 मार्च 2026 की सुबह इस्फहान इलाके में भारी धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इस्फहान में ईरान का एक बड़ा एयर बेस है और कुछ अन्य सैन्य सुविधाएं भी मौजूद हैं। ईरान के अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने हमलों को दो आवासीय इलाकों पर बताया, हालांकि विस्तार से कुछ नहीं कहा गया। इस हमले से पहले भी इस्फहान को निशाना बनाया जा चुका है। अमेरिका ने पिछले साल जून में 12 दिन के युद्ध के दौरान यहां के न्यूक्लियर साइट पर बमबारी की थी।

## अजित पवार एयरक्रैश मामला:

# जीरो एफआयआर और जांच

बारामती / बेंगलुरु - महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता अजित पवार का निजी विमान 28 जनवरी 2026 को मुंबई से बारामती जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार और चार अन्य लोग मारे गए, जिससे परिवार और समर्थकों में गहरा शोक फैल गया।

शुरूआत में बारामती और मुंबई पुलिस ने एफआयआर दर्ज करने से इनकार किया, जिससे जांच रुकी। इसके बाद उनके भतीजे और विधायक रोहित पवार ने बेंगलुरु पुलिस में जीरो एफआयआर दर्ज कराई। जीरो एफआयआर वह एफआयआर है जिसे किसी भी थाना में दर्ज किया जा सकता है, चाहे घटना उस इलाके में हुई हो या नहीं, ताकि जांच तुरंत शुरू हो सके। जीरो एफआयआर दर्ज होने के बाद कर्नाटक पुलिस ने इसे महाराष्ट्र पुलिस को सौंप दिया, और अब बारामती पुलिस जांच आगे बढ़ाएगी। एफआयआर में विमान के रखरखाव, पायलट रिकॉर्ड और सुरक्षा प्रक्रियाओं की जांच शामिल है।

इस मामले ने राजनीतिक बहस भी शुरू कर दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने एफआयआर के तरीके पर नाराजगी जताई, जबकि रोहित पवार ने कहा कि एफआयआर जरूरी थी ताकि सच्चाई सामने आए और जांच प्रभावित न हो। जीरो एफआयआर जैसी व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि जांच निष्पक्ष और तेज हो, और भविष्य में सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

# रिश्वतखोर जीएसटी इंस्पेक्टर रंगे हाथ गिरफ्तार

## 30 हजार लेते ही एसीबी ने दबोचा

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

मुंबई - मुंबई में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने एक जीएसटी अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान अविनाश मेश्राम के रूप में हुई है, जो राज्य कर निरीक्षक के पद पर जीएसटी भवन में तैनात था. इस कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है.

मिली जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर काम करता है. कंपनी के वार्षिक जीएसटी रिटर्न तैयार करने का काम चल रहा था.

इसी दौरान आरोपी अधिकारी अविनाश मेश्राम ने इस काम को आगे बढ़ाने के लिए शिकायतकर्ता से 1 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की. शिकायतकर्ता रिश्वत देने के पक्ष में नहीं था, इसलिए उसने इस पूरे मामले की शिकायत एसीबी दफ्तर में दर्ज कराई. एसीबी ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की. सत्यापन

के दौरान यह सामने आया कि अविनाश मेश्राम ने पहले 50 हजार रुपये की मांग की थी. बाद में बातचीत के बाद वह 30 हजार रुपये लेने पर राजी हो गया. इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया.

जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये की रिश्वत ली, एसीबी की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया. आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

फिलहाल एंटी करप्शन ब्यूरो इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है. यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने पहले भी इस तरह की रिश्वतखोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है या नहीं. इस कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा.

# कॉलेज में लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा!

## अगर फीस ली गई, तो मान्यता रद्द कर दी जाएगी – शिक्षा मंत्री

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

मुंबई - राज्य सरकार ने राज्य की लड़कियों को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया है। शिक्षा को पूरी तरह से मुफ्त बनाने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है, हालाँकि, यह बात सामने आई है कि कुछ कॉलेज नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और छात्रों से फीस की मांग कर रहे हैं। इस बात को गंभीरता से लेते हुए, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने ऐसे कॉलेजों की मान्यता तत्काल रद्द करने की कड़ी चेतावनी जारी की है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए मुफ्त कॉलेज शिक्षा प्रदान करने का निर्णय 2 साल पहले लागू किया गया था। फिर भी, ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ कॉलेज लड़कियों से फीस वसूल रहे हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है। इसी पृष्ठभूमि में, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की है। कहा जा रहा है कि इससे उन लड़कियों को बड़ी राहत मिली है जो आर्थिक तंगी के कारण व्यावसायिक शिक्षा हासिल करने में असमर्थ थीं।

यदि कोई कॉलेज आपसे फीस की मांग कर रहा है, तो घबराएँ नहीं। आप शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), जिला कलेक्टर कार्यालय, जिला संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा कार्यालय, साथ ही उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल या ईमेल पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। सरकार के निर्णय के अनुसार, सामान्य परिवारों की उन लड़कियों के लिए 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस में छूट लागू की गई है, जिनकी वार्षिक आय व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 8 लाख रुपये तक है। राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना अधूरा न रह जाए।

प्यूपिल्स टाइम्स

## संपादकीय

### अनिश्चि भविष्यवाला युद्ध!

ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद इतिहास ने भले ही एक नई करवट ली हो, लेकिन वहां कुछ परंपराएं जस की तस बनी रहीं। ऐसी ही एक परंपरा ईरानी नववर्ष नौरोज के आयोजन से जुड़ी हुई है, जिसे पलटने के लिए दबाव तो जरूर पड़ा, लेकिन वह कारगर नहीं रहा। वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही 21 मार्च को आरंभ होने वाला यह आयोजन 13 दिनों तक चलता है। इसी दौरान भारत में पारंपरिक नववर्ष, उगादी, गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्र का उत्सव भी मनाया जाता है। यह ईरानी और भारतीय संस्कृति के बीच कुछ समानताओं को भी दर्शाता है। देखा जाए तो इस साल नौरोज ईरान के लिए बहुत सुखद नहीं रहा, क्योंकि अमेरिका और इजरायल ने उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा हुआ है। निरंतर हमलों और शीर्ष नेताओं की मौत के बावजूद ईरानियों का हौसला डिगा नहीं है। संभव है कि इसके पीछे कर्बला की शहादत उनकी प्रेरणा बनी है। इस्लामिक क्रांति के दौरान अयातुल्ला खुमैनी यह नारा भी दिया करते थे कि 'हर दिन आशुरा है और हर जगह कर्बला है।' इसका सीधा अर्थ है कि हर दिन संघर्ष है और हर संघर्ष कर्बला की रणभूमि। अमेरिका इजरायल के विरुद्ध जारी इस लड़ाई में ईरानी इसी संकल्प के साथ प्रतिरोध का प्रतीक बनकर उभरे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली अमेरिकी सेना और इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान को बहुत नुकसान पहुंचा है। पहले से ही तमाम प्रतिबंध झेल रहे ईरान के लिए इस युद्ध ने मुश्किलें और बढ़ाने का काम किया है। उसके परमाणु ठिकानों से लेकर संवेदनशील एवं रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया। उसके शीर्ष नेतृत्व का करीब-करीब सफाया हो गया है, जिसमें सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से लेकर बेहद प्रभावशाली अली लारीजानी जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। ऐसी परिस्थितियों में संभवतः कोई अन्य देश घुटने टेक चुका होता, पर ईरान ने जबरदस्त पलटवार किया। उसने इजरायल के उन ठिकानों पर भी हमले किए, जिनके बारे में ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता था। ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं ने बड़े-बड़े रणनीतिकारों को भी हैरान करने का काम किया। उसने होर्मुज जलमार्ग पर अपना नियंत्रण मजबूत कर आवाजाही को प्रभावित किया। साथ ही साथ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों और उनकी परिसंपत्तियों को निशाना बनाकर अपने हौसले के साथ ही मारक क्षमता का प्रदर्शन कर एक तरह से हमलावरों को ही कुछ हद तक रक्षात्मक रुख अपनाने पर विवश कर दिया। चूंकि अब यह युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है, इसलिए यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यह किस दिशा में जा रहा है। यह सही है कि अमेरिका-इजरायल ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व को मार गिराया, लेकिन सत्ता के ढांचे में अपेक्षित परिवर्तन की उनकी मंशा न तो पूरी हो पाई है और न पूरी होती दिख रही है।

# राम नवमी हिंदुओं का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहार

राम नवमी हिंदुओं का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहार है, जिसे भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन भक्त पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-पाठ करते हैं और भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं. वहीं, इस बार लोग राम नवमी की तिथि को लेकर काफी ज्यादा असमंजस में भी है. कुछ लोगों का कहना है कि राम नवमी का पर्व 26 मार्च को मनाया जाना चाहिए और कुछ 27 तारीख की बात कर रहे हैं. आइए पंडित प्रवीण मिश्र द्वारा जानते हैं कि राम नवमी की तिथि क्या रहने वाली है.

पंडित प्रवीण मिश्र के मुताबिक, साल 2026 में राम नवमी की तिथि को लेकर कुछ लोगों में भ्रम है. दरअसल, नवमी तिथि की शुरूआत 26 मार्च को सुबह 11 बजकर 48 मिनट से हो रही है और इसका समापन 27 मार्च को सुबह 10 बजकर 6 मिनट पर होगा. लेकिन भगवान राम का जन्म मध्याह्न काल और कर्क लग्न में हुआ था, जिसे सबसे शुभ समय माना जाता है. इसी कारण रामनवमी 26 मार्च को ही मनाना शुभ माना जा रहा है. हालांकि, अगर उदयातिथि की बात करें तो राम नवमी का पर्व 27 मार्च 2026, गुरुवार को ही मनाना चाहिए. मतलब गृहस्थ लोगों के लिए रामनवमी 26 मनाना शुभ माना जा रहा है और वैष्णव संप्रदाय के लोगों के लिए रामनवमी 27 मार्च को मनाना शुभ रहेगा. इस दिन मध्याह्न मुहूर्त सुबह 11:13 बजे से दोपहर 1:41 बजे तक रहेगा और जन्म का खास समय दोपहर 12:27 बजे माना गया है.

राम नवमी के दिन लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं और साफ-सुथरे कपड़े पहनकर भगवान राम की पूजा करते हैं. कई भक्त मंदिर जाकर दर्शन करते हैं, जबकि कुछ लोग घर पर ही पूजा-अर्चना करते हैं. इस दिन रामचरितमानस का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है. साथ ही, गरीबों और जरूरतमंद लोगों को भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएं दान करने की परंपरा भी है.

व्रत रखने वाले लोगों को इस दिन सादगी और सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कुछ लोग निर्जला व्रत रखते हैं, यानी बिना पानी के, जबकि कुछ लोग फलाहार या एक समय भोजन का विकल्प चुनते हैं. व्रत में फल, दूध, दही, साबूदाना, कुट्टू और सिंघाड़े का आटा जैसे हल्के और शुद्ध खाद्य पदार्थ खाए जाते हैं. साधारण नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है. पूरे दिन पूजा, भजन और रामायण का पाठ करने से मन शांत रहता है और भक्ति का भाव बढ़ता है. परंपरा के अनुसार व्रत का पारण भगवान राम के जन्म समय यानी मध्याह्न पूजा के बाद किया जाता है.

# खाने में मिलावट करने वालों पर मकोका लगाया जाएगा

मुंबई - फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मिनिस्टर नरहरि जिरवाल ने सोमवार को लेजिस्लेटिव काउंसिल में क्वेश्चन आवर के दौरान यह भरोसा दिलाया कि खाने की चीजों में मिलावट करने वालों के खिलाफ महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत एक्शन लिया जाएगा।

जिरवाल ने कहा कि वर्सोवा पुलिस स्टेशन की एक टीम ने अंधेरी के नवजीत नगर में सात जगहों पर रेड मारी और पाया कि अमूल और गोकुल नाम के दूध में मिलावट की जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 14 लोगों को अरेस्ट किया जा चुका है। इस पर MLA भाई जगताप ने पूछा कि क्या इन आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत एक्शन लिया जाएगा।

हालांकि, जिरवाल ने कहा कि मकोका की तरह ही एक नया कानून आ रहा है। हालांकि, MLA भाई जगताप और अनिल परब ने इस पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने पूछा कि यह सब जानते हैं कि जरूरी चीजों में मिलावट से जान का नुकसान हो सकता है और ऑर्गेनाइज्ड क्राइम पर मकोका क्यों नहीं लगाया

जा सकता। इस पर, जिरवाल ने जवाब दिया कि वह सेशन खत्म होने से पहले लीगल पहलुओं को देखेंगे और साफ करेंगे। MLA अनिल परब ने इस पर एतराज जताया और पूछा कि क्या वे साफ-साफ बताएंगे कि मकोका लगेगा या नहीं। MLA जगताप ने यह भी सवाल उठाया कि यह मामला पूरे महाराष्ट्र के लिए चिंता का विषय क्यों है और आप इस पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय अधिकारियों को क्यों बचा रहे हैं, और क्या 10-12 मौतों के बाद कार्रवाई होगी।

आखिरकार, विपक्ष के सवालों की बौछार के बाद, मंत्री नरहरि जिरवाल ने सदन में सदस्यों की भावनाओं को समझते हुए घोषणा की कि मिलावट करने वालों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले, जिरवाल ने माना कि इस डिपार्टमेंट में मैनपावर काफी नहीं है। डिपार्टमेंट की 2,544 मंजूर पोस्ट में से सिर्फ 1,271 पोस्ट ही भरी गई हैं। बाकी पोस्ट भरने का प्रस्ताव फाइनेंस डिपार्टमेंट को भेजा गया था। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि इस पर कार्रवाई की जा रही है क्योंकि इसमें कुछ गलतियाँ पाई गई हैं।

# ठाणे महानगरपालिका शहर भर में नालियों की सफाई के लिए रोबोट तैनात करेगा

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

ठाणे - शहरी स्वच्छता को आधुनिक बनाने और मानसून की बाढ़ को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने शहर के नालों के विशाल जाल की सफाई के लिए रोबोटिक प्रणालियों की तैनाती की घोषणा की है। नवीनतम बजट में उल्लिखित इस निर्णय का उद्देश्य मैन्युअल रूप से गाद निकालने की कमियों को दूर करना और ठाणे की 300 किलोमीटर लंबी जल निकासी प्रणाली का साल भर रखरखाव सुनिश्चित करना है।

परंपरागत रूप से, टीएमसी साल में एक या दो बार ही नालियों की सफाई करती थी, जिससे बाकी आठ महीनों तक नालियां प्लास्टिक और तैरते कचरे से भरी रहती थीं। इस समस्या से निपटने के लिए, आईआईटी बॉम्बे द्वारा विकसित पेटेंट-सुरक्षित रोबोटिक प्रणाली को 10 प्रायोगिक स्थानों पर स्थापित किया जाएगा, जिनमें नाले के पास के महत्वपूर्ण जंक्शन

भी शामिल हैं। ये रोबोट विशेष रूप से तैरते प्लास्टिक कचरे को स्वचालित रूप से रोकने और हटाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। रोबोटिक सफाई के अलावा, टीएमसी अपने अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे का आक्रामक रूप से विस्तार कर रहा है:

**वैज्ञानिक लैंडफिल:** आटकौली (भिवंडी) में 35 हेक्टेयर भूमि पर एक नया प्रसंस्करण संयंत्र निर्माणाधीन है, जिसकी क्षमता 600-800 टन प्रति दिन है।

**हरित ऊर्जा:** इसी स्थल पर एक प्रायोगिक हरित कोयला उत्पादन परियोजना छह महीने के भीतर पूरी होने वाली है।

**उर्वरक उत्पादन:** गैमुख स्थित एक संयंत्र प्रतिदिन 97 टन गीले कचरे को जैविक उर्वरक में संसाधित करेगा।

आयुक्त सौरभ राव ने घोड़बंदर रोड जैसे अधिक यातायात वाले मार्गों पर इस्तेमाल होने वाले यांत्रिक सड़क सफाईकर्मियों के प्रदर्शन ऑडिट की भी पुष्टि की, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ईंधन पर होने वाला खर्च वास्तविक स्वच्छता में तब्दील हो।

## आओ खेलें

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 5 | | 4 | | | 9 | 3 | | E | | G | 7 | A |
| | E | | 7 | | 9 | 1 | | F | | A | 6 | 2 | 4 | | D |
| G | 6 | 4 | B | | | | E | D | 8 | | 2 | 9 | | 3 | |
| F | | | | | | | | | C | 5 | | B | | 1 | |
| | 5 | | C | | | D | | B | 2 | | 9 | 8 | | | |
| B | 8 | | | 5 | 7 | | | | F | C | | | | | G |
| A | | | 9 | 8 | | | 1 | G | E | | 4 | | C | | |
| | | 3 | | C | | 9 | A | | | | | 1 | | | F |
| | | | | 9 | | | | 7 | 6 | G | C | D | 2 | E | 5 |
| 5 | 1 | 7 | | | | | D | | | | B | C | 8 | F | 6 |
| | | 6 | D | | C | G | | 1 | | | F | A | 3 | | |
| | | | F | | E | 8 | | 2 | | D | 5 | | | | 7 |
| 7 | F | | 2 | | B | 3 | | | | 9 | 8 | | A | | 4 |
| D | C | 5 | 1 | 6 | | | 7 | E | | | | G | | | 3 |
| 8 | | | | 2 | D | | | | 7 | | G | F | 5 | | 1 |
| | 4 | | 6 | | G | 5 | F | | 1 | | 3 | | D | 8 | B |

प्यूपिल्स टाइम्स

# प्राचीन मंदिरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए जैन समाज आगे आए - फडणवीस

- समाज में एकता और समरसता के लिए जैन धर्म के विचार अत्यंत प्रेरणादायी – कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढा
- भारत के उपराष्ट्रपति सी पी राधा कृष्ण द्वारा उद्योगपति, गो भगत बाबूलाल भंसाली को किया गया सम्मानित

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

मुंबई - जैन समाज ने सेवा, दान, अहिंसा और त्याग के मूल्यों पर आधारित कार्यों के माध्यम से समाज के सामने एक प्रेरणादायी आदर्श स्थापित किया है, ऐसा प्रतिपादन उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने किया। लोकभवन स्थित दरबार हॉल में आयोजित 64वें जैन दीक्षा समारोह के अवसर पर वे बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में राज्यपाल जिष्णूजी देव वर्मा, मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात जी लोढा, अध्यात्म परिवार ट्रस्ट के ट्रस्टी बाबूलालजी भंसाली, हितेंद्र माणेकजी, राजेश चंदनजी तथा ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि जैन समाज देशभर में विभिन्न माध्यमों से समाजहित का कार्य कर रहा है और सेवा ही जैन धर्म की पहचान है। 64 लोगों द्वारा दीक्षा ग्रहण करना अत्यंत प्रेरणादायी है, जिससे संयम, सादगी और आध्यात्मिकता का संदेश समाज को मिलता है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर द्वारा दिया गया अहिंसा, अपरिग्रह का संदेश आज के समय में और भी अधिक महत्वपूर्ण है। संवाद, सहिष्णुता और समस्त जीवों के प्रति करुणा के माध्यम से ही शांति और स्थायित्व का मार्ग प्राप्त हो सकता है।

तमिलनाडु और जैन धर्म के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने साहित्य, संस्कृति और ज्ञान संवर्धन में जैन समाज के योगदान की सराहना की और कहा कि जैन दर्शन के जीवनमूल्य आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। राज्यपाल जिष्णू देव वर्मा ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जैन धर्म के मूल्य मानवता को शांति, समन्वय और संयम का मार्ग दिखाते हैं। आधुनिक जीवनशैली जहां उपभोक्तावाद और इच्छाओं की निरंतर वृद्धि को बढ़ावा देती है, वहीं भारतीय संस्कृति ने हमेशा सादगी, संयम और त्याग को महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में विभिन्न क्षेत्रों के लोग दीक्षा का मार्ग अपना रहे हैं, जो अत्यंत प्रेरणादायी है।

# मेयर रितु तावड़े के हाथों सिग्नल स्कूल का उद्घाटन

**'सिग्नल स्कूल' स्कूल से बाहर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाता है**

मुंबई - बेघर, प्रवासी और स्कूल न जाने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने वाले सिग्नल स्कूल का उद्घाटन मेयर रितु तावड़े ने किया। नई शिक्षा नीतियों को अपनाकर शुरू किया गया यह नया प्रयोग, विकसित भारत के प्रयासों का एक अहम हिस्सा होगा। मेयर रितु तावड़े ने भरोसा जताया कि आने वाले दिनों में जब देश-विदेश से टूरिस्ट मुंबई आएंगे तो इस सिग्नल स्कूल को जरूर देखेंगे।

सिग्नल स्कूल चेंबूर इलाके में अमर महल में सांताक्रूज-चेंबूर लिंक फ्लाईओवर के नीचे शुरू किया गया है। सिग्नल स्कूल का कॉन्सेप्ट ठाणे और नेरुल में समर्थ भारत व्यासपीठ संस्था ने लागू किया है ताकि स्कूल न जाने वाले बच्चे जो मुख्यधारा से दूर हैं, उन्हें शिक्षा की धारा में लाया जा सके। अब यह पहल मुंबई के चेंबूर में शुरू की गई है। मेयर ने नेमप्लेट का अनावरण किया और प्राइमरी क्लास का उद्घाटन किया। इसके बाद, गणमान्य लोगों ने वोकेशनल ट्रेनिंग, स्मॉल इंडस्ट्री ट्रेनिंग, कुकिंग ट्रेनिंग, रोबोटिक लैब, साइंस लैब, कंप्यूटर लैब का निरीक्षण किया। इस मौके पर लोकल लोग भी मौजूद थे।

### इस पहल के लिए नगर निगम पैसे का इंतजाम करेगा

मेयर तावड़े ने कहा कि नगर निगम मुंबई में फ्लाईओवर के नीचे और ट्रैफिक आइलैंड के पास रहने वाले बच्चों को पढ़ाई की धारा में लाने के लिए ठोस कोशिश करेगा। इसके लिए मुंबई में ब्रिज एरिया का सर्वे किया जाएगा और नगर निगम इस पहल के लिए जरूरी इंतजाम करेगा।

# प. बंगाल विधानसभा चुनाव 2026: टीएमसी और भाजपा की सशक्त टक्कर

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

पश्चिम बंगाल - पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का माहौल पूरी तरह से जोश और प्रचार के रंगों से भरा हुआ है। गलियों और नुक्कड़ों में टीएमसी के झंडे, कटआउट और उम्मीदवारों की तस्वीरें हर जगह नजर आ रही हैं। घर-घर जाकर चल रहा प्रचार अभियान मतदाताओं में उत्साह और चुनावी सरगर्मी बढ़ा रहा है। टीएमसी ने 23 और 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की। इसमें लगभग 74 मौजूदा विधायक बदले गए और 15 क्षेत्रों में फेरबदल किया गया। यह रणनीति मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हिस्सा है, ताकि विपक्षी दलों का मुकाबला मजबूती से किया जा सके। भाजपा ने भी अपने 255 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस बार उनके उम्मीदवारों में लगभग 40% की आयु 40 वर्ष से कम है। माकपा ने भी अपने कई नेताओं को मैदान में उतारा है, जिससे पश्चिम बंगाल के चुनावी परिदृश्य में बहुदलीय मुकाबला और तीव्रता आई है।

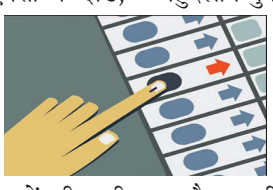

इस बार चुनाव में मतदाता सूची और एसआईआर को लेकर भी विशेष ध्यान है। पिछले चुनावों में एनआरसी, सीएए और कट मनी जैसे मुद्दे प्रमुख थे, लेकिन इस बार फोकस एसआईआर और मतदाता आधार पर है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह मुद्दा मतदाताओं में ध्रुवीकरण और विभाजन पैदा कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि टीएमसी का पुराने और नए उम्मीदवारों का मिश्रण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। अब जनता की प्रतिक्रिया और प्रचार अभियान का असर 4 मई के चुनाव परिणाम में सामने आएगा।

# ई-चालान नहीं भरने पर आरटीओ करेगा कॉल: एआई सिस्टम से वसूली

मुंबई - राज्य ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित 'अक कॉलिंग' सिस्टम शुरू करने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस सिस्टम के जरिए, पेंडिंग ई-चालान गाड़ी मालिकों तक पहुंचाए जाएंगे और उन्हें पेंडिंग ई-चालान भरने की याद दिलाने के लिए एक ऑटोमेटेड फोन कॉल किया जाएगा और सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में लोगों में जागरूकता भी फैलाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट के लिए 11.80 करोड़ रुपये का फंड दिया गया है।

आरटीओ अधिकारियों ने बताया कि राज्य में सड़क यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले गाड़ी मालिकों से ई-चालान के जरिए जुर्माना वसूलने की दर बहुत कम है। अभी, ई-चालान से काटे गए जुर्माने का सिर्फ.40 प्रतिशत ही वसूला जा रहा है और बाकी 60 प्रतिशत मामलों में गाड़ी मालिक जुर्माना नहीं भर रहे हैं। इस वजह से, अधिकारियों का कहना है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ असरदार कार्रवाई नहीं हो रही है।

ठाणे से शानदार रिस्पॉन्स

ठाणे रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफि स (आरटीओ) ने पायलट बेसिस पर एआई कॉलिंग सिस्टम शुरू किया था। अधिकारियों के मुताबिक, ठाणे में इस पहल को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और फाइन कलेक्शन में बढ़ोतरी के संकेत हैं। इस 'एआई कॉलिंग' सिस्टम को पूरे राज्य के सभी RTO ऑफिस में लागू करने का प्रस्ताव था। अब इसे मंजूरी मिल गई है।

# मुंबई साइबर पुलिस ने मोबाइल कनेक्शन के दुरुपयोग से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में 5 सिम कार्ड विक्रेताओं के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई - मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने सिम कार्ड का दुरुपयोग करके साइबर धोखाधड़ी को बढ़ावा देने में कथित संलिप्तता के आरोप में पांच सिम कार्ड विक्रेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, साइबर क्राइम ब्रांच ने साइबर अपराधों में इस्तेमाल किए जा रहे कई मोबाइल नंबरों की पहचान की है। जांच करने पर पता चला कि ये नंबर विशिष्ट सिम कार्ड एजेंटों द्वारा जारी किए गए थे। इस जानकारी के आधार पर मुंबई क्राइम ब्रांच के अंतर्गत विभिन्न साइबर पुलिस स्टेशनों में पांच अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

जांच में पता चला कि आरोपी सिम कार्ड विक्रेताओं ने सिम कार्ड खरीदने आए ग्राहकों के आधार कार्ड की जानकारी का दुरुपयोग किया। अनुरोध के अनुसार एक सिम कार्ड जारी करने के बजाय, एजेंटों ने कथित तौर पर ग्राहक अधिग्रहण फॉर्म (सीएएफ) में जाली और फर्जी स्थानीय पते का उपयोग करके कई सिम कार्ड सक्रिय कर दिए। एक सिम कार्ड ग्राहक को सौंप दिया गया, जबकि शेष सिम कार्ड एजेंटों ने अपने पास रख लिए और बाद में साइबर अपराधियों को बेच दिए।

दर्ज मामलों का विवरण: केंद्रीय साइबर पुलिस स्टेशन ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4), 336(2), 336(3), 3(5) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66ऊके तहत एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में आरोपियों की पहचान मोहम्मद सुल्तान मोहम्मद हनीफ अंसारी (मदनपुरा, मुंबई) और जीशान कामले (नागपाड़ा, मुंबई) के रूप में हुई है। वहीं, दक्षिणी साइबर पुलिस स्टेशन ने बीएनएस और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।

आरोपी की पहचान दयाशंकर भगवान शुक्ला (राजेश कम्युनिकेशंस, कोलाबा) के रूप में हुई है। पश्चिम साइबर पुलिस स्टेशन में बीएनएस और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में आरोपी की पहचान सृष्टि प्रदीपकुमार बरनवाल (जुहू लेन, अंधेरी पश्चिम) के रूप में हुई है और उत्तर साइबर पुलिस स्टेशन में बीएनएस और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी की पहचान नीरज शिवराम पटवा (दहिसर, मुंबई) के रूप में हुई है और पूर्वी साइबर पुलिस स्टेशन में बीएनएस और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

प्यूपिल्स टाइम्स

# युद्ध: समाधान नहीं, महँगा विराम

विश्व-राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में यदि किसी एक सत्य को निर्विवाद रूप से स्वीकार किया जा सकता है, तो वह यह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान का माध्यम नहीं रहा वह केवल एक महँगा, अस्थायी विराम भर सिद्ध होता है। दुर्भाग्य यह है कि इस सत्य को इतिहास बार-बार प्रमाणित करता है, और वर्तमान बार-बार भूल जाता है।

आज जब संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर यूरोप तक, तथा रूस-यूक्रेन के संघर्ष से लेकर इजराइल के क्षेत्रीय समीकरणों तक, विश्व के अनेक भाग तनाव और टकराव से गुजर रहे हैं, तब यह प्रश्न और अधिक प्रासंगिक हो उठता है कि क्या युद्ध वास्तव में किसी समस्या का समाधान कर पाता है, या केवल उसे कुछ समय के लिए स्थगित कर देता है?

वैश्विक शक्तियाँ अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए कूटनीति का सहारा लेती हैं, परंतु जब कूटनीति विफल होती है, तब युद्ध को वैधता प्रदान कर दी जाती है। इसे सुरक्षा, स्थिरता या शांति स्थापना जैसे आकर्षक शब्दों में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे वास्तविकता का कठोर स्वरूप सामान्य जन की दृष्टि से ओझल हो जाता है।

ईरान के साथ तनाव हो या अफगानिस्तान की अस्थिरता, या पाकिस्तान की रणनीतिक भूमिका हर उदाहरण यह दर्शाता है कि संघर्ष अब नीति का उपकरण बन चुका है।

ऐसे समय में भारत की नीति एक

भिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। भारत ने ऐतिहासिक रूप से युद्ध को कभी प्राथमिक साधन नहीं माना। महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांतों से प्रेरित यह दृष्टि, यद्यपि व्यवहारिक राजनीति में पूर्णतः लागू नहीं हो सकी, फिर भी राष्ट्रीय नीति में उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

भारत और पाकिस्तान के मध्य हुए संघर्ष इस संदर्भ में विशेष उल्लेखनीय हैं। जब-जब दोनों देशों के बीच युद्ध या सैन्य टकराव हुआ, तब भारत ने अपने सीमित सामरिक लक्ष्यों की प्राप्ति के पश्चात संघर्ष को अनावश्यक रूप से विस्तार देने के बजाय उसे विराम देना ही उचित समझा। यह नीति न केवल सामरिक संयम का परिचायक है, बल्कि यह इस तथ्य की भी स्वीकृति है कि युद्ध का विस्तार अंततः दोनों पक्षों के लिए विनाशकारी सिद्ध होता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में 'सिंदूर ऑपरेशन' का उल्लेख प्रासंगिक है। यह केवल एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश है कि जब सुरक्षा और स्वाभिमान पर आघात हो, तब निर्णायक उत्तर आवश्यक है; परंतु उद्देश्य की पूर्ति के पश्चात अनावश्यक विस्तार बुद्धिमत्ता नहीं, अपितु विनाश को आमंत्रण है। अन्य राष्ट्रों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सबक है कि युद्ध को सीमित, उद्देश्यपूर्ण और संयमित रखना ही दीर्घकालिक हित में है।

किन्तु यहाँ एक गहरी विडंबना भी निहित है। युद्ध का विराम वास्तव में शांति का पर्याय नहीं होता, बल्कि वह एक ऐसी स्थिति है जिसमें संघर्ष अस्थायी रूप से रुक जाता है, पर उसके कारण समाप्त नहीं होते। परिणामस्वरूप, वही तनाव पुनः किसी नए रूप में उभरने की संभावना बनाए रखता है। युद्ध की वास्तविक कीमत केवल रणभूमि पर नहीं चुकाई जाती। उसका प्रभाव राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और मानसिक स्थिति पर दूरगामी होता है। विकास की गति रुक जाती है, संसाधनों का क्षय होता है, और मानव जीवन की अपूरणीय क्षति होती है। एक प्रकार से देखा जाए तो युद्ध किसी भी राष्ट्र को वर्षों पीछे धकेल देता है और यह हानि किसी भी विजय से अधिक गहरी होती है। भारतीय चिंतन परंपरा में रामधारी सिंह दिनकर ने शक्ति और शांति के संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया था, जबकि राम मनोहर लोहिया ने युद्ध को समस्याओं का स्थायी समाधान मानने की प्रवृत्ति की आलोचना की थी। इन विचारों का आज के संदर्भ में पुनः स्मरण अत्यंत आवश्यक हो गया है।

Anurag Shukla
(Chief Editor)

अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व-समुदाय युद्ध की क्षणिक विजय से आगे बढ़कर उसकी दीर्घकालिक हानि को समझे। भारत जैसे राष्ट्र, जो संतुलन और संयम की नीति का पालन करते हैं, इस दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं, परंतु यह तभी संभव है जब वैश्विक राजनीति में नैतिकता को पुनः स्थान दिया जाए।

***अंततः, यह स्मरणीय है।***
***युद्ध कभी समाधान नहीं होता;***
***वह केवल एक महँगा विराम होता है,***
***जिसकी कीमत पीढ़ियाँ चुकाती हैं।***

### वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में पारित:

## 32 संशोधनों के साथ 'भरोसे पर आधारित टैक्स सिस्टम' की ओर बड़ा कदम

**गौरव सिंह/नवी मुंबई**

मुंबई - देश की आर्थिक दिशा तय करने वाले महत्वपूर्ण कदम के रूप में लोकसभा ने वित्त विधेयक 2026 को 32 अहम संशोधनों के साथ पारित कर दिया। इस अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य एक ऐसा कर तंत्र विकसित करना है, जो जांच-आधारित नहीं, बल्कि विश्वास-आधारित हो।

संसद में अपने विस्तृत संबोधन के दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत में आर्थिक सुधार किसी दबाव या मजबूरी

में नहीं, बल्कि स्पष्ट दृष्टि, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार करदाताओं के साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है, ताकि टैक्स प्रणाली सरल, सहज और विवाद-मुक्त बन सके।

वित्त मंत्री ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियां अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हैं। कर ढांचे को सरल बनाना और छोटे व्यवसायियों तथा व्यक्तिगत करदाताओं को राहत देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका मानना है कि इससे स्वैच्छिक कर अनुपालन बढ़ेगा और आर्थिक व्यवस्था अधिक सुदृढ़ बनेगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को सरकार ने अपनी नीति के केंद्र में रखा है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए सरकार का दृष्टिकोण सहयोगात्मक है पहले उद्यमों को सुविधा और समर्थन प्रदान किया जाएगा, और आवश्यकता पड़ने पर ही सख्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त, तकनीकी त्रुटियों जैसे ऑडिट न कराने पर लगने वाले जुमार्ने को अब शुल्क में परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी और अनिश्चितता कम होगी।

### राज्यों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता दोहराई

**राजस्व आवंटन को लेकर उठे प्रश्नों पर सरकार ने स्पष्ट रुख अपनाया। सीतारमण ने कहा कि राज्य-सम्बंधित योजनाओं पर केंद्र का व्यय, उपकर और अधिभार से प्राप्त आय से अधिक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार राज्यों को पर्याप्त वित्तीय सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।**

### विश्वास, सरलता और विकास का समन्वय

**वित्त विधेयक 2026 का पारित होना केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं, बल्कि सरकार की व्यापक आर्थिक सोच का संकेत है। विश्वास आधारित कर प्रणाली, सरल प्रक्रियाएं और दीर्घकालिक विकास ये तीन स्तंभ भारत की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं।**

## सफाई कर्मियों को घर देने की पहल

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

मुंबई - मुंबई महानगरपालिका के सफाई कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सफाई कर्मियों को मुंबई में अपना घर देने की घोषणा की है। इससे 30 हजार से अधिक सफाई कर्मियों को खुद के स्वामित्ववाला घर मिल सकेगा।

म्युनिसिपल मजदूर यूनियन ने 23 मार्च को आजाद मैदान पर आंदोलन की घोषणा की थी। उससे पहले विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे की मध्यस्थता से यूनियन के शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में साल 2008 और 2015 के सरकारी निर्णयों को तत्काल लागू करने की मांग रखी गई।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 'डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजना' के तहत मुंबई में 36 कॉलोनियों के पुनर्वास में बने 12,200 नए घरों में से 50 फीसदी घर सफाई कर्मियों को दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि यह केवल आश्वासन नहीं है। मौजूदा बजट सत्र में इसकी आधिकृत घोषणा की जाएगी।


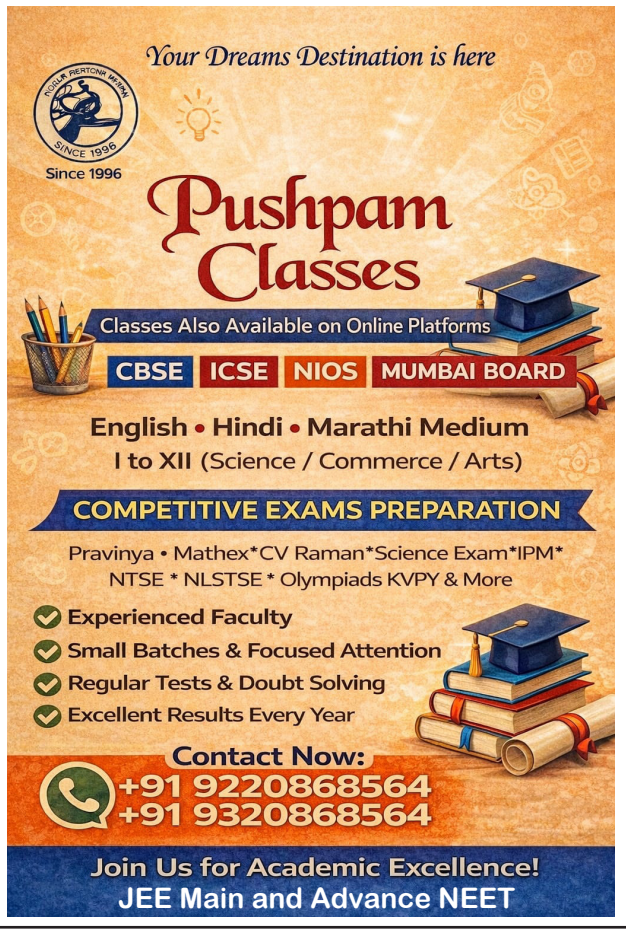

प्यूपिल्स टाइम्स

# डिग्री के साथ कौशल भी महत्वपूर्ण

## उद्यमी बनते समय टाटा को आदर्श रखें – उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन

मुंबई - भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि के दौर में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे रोजगार में बदलना जरूरी है। तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स और बदलती तकनीक के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने युवाओं से रतन टाटा को आदर्श मानते हुए लाभ के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। वे रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल्य विद्यापीठ के पहले दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे, जो लोकभवन के दरबार हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के पहले स्नातक इतिहास का हिस्सा बन गए हैं और वे भारत को 'ग्लोबल स्किल हब' बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ग्रीन एनर्जी और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक विषयों को शिक्षा में शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही जापान की प्रगति का उदाहरण देते हुए अनुशासन और समर्पण को सफलता का आधार बताया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि आधुनिक विश्वविद्यालयों को नवाचार और प्रयोगशीलता को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कौशल विकास, पुनः कौशल और कौशल उन्नयन को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम बताया और छात्रों को निरंतर सीखते रहने की सलाह दी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल युवा जनसंख्या होना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे कौशल से लैस करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में 'अकलिविंग लैब' जैसे उपक्रमों के माध्यम से छात्रों को उद्योगों की वास्तविक समस्याओं को हल करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही 10,000 महिलाओं को एआई प्रशिक्षण देने की पहल को भी उन्होंने सराहा। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का 31% हिस्सा आकर्षित कर रहा है और आने वाले समय में राज्य वैश्विक अर्थव्यवस्था में और मजबूत स्थिति हासिल करेगा।

# सांसद वर्षा गायकवाड़ ने उठाया विस्थापन का मुद्दा

- पुनर्वास से पहले तोड़फोड़ पर रोक की मांग
- कुर्ला–ट्रॉम्बे रेलवे मार्ग के किनारे स्थित झुग्गियों को हटाने का मुद्दा अब संसद तक पहुंचा

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

मुंबई - मुंबई के कुर्ला-ट्रॉम्बे रेलवे मार्ग के किनारे स्थित झुग्गियों को हटाने का मुद्दा अब संसद तक पहुंच गया है। वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान इस विषय को उठाते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

सांसद ने बताया कि रेलवे प्रशासन द्वारा इस मार्ग के किनारे बसी 3154 झुग्गियों को हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इससे हजारों गरीब और मेहनतकश परिवारों के सामने बेघर होने का खतरा खड़ा हो गया है। वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि ये झुग्गियां पिछले दो दशकों से अधिक समय से मौजूद हैं और यहां रहने वाले लोग लंबे समय से इसी क्षेत्र में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे में अचानक उन्हें हटाना अमानवीय और अव्यावहारिक कदम होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के इतने बड़े पैमाने पर झुग्गियों का विध्वंस नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित परिवारों के लिए पहले स्थायी पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

सांसद ने इस मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की अपील करते हुए कहा कि यदि पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना

कार्रवाई की जाती है, तो हजारों परिवार रातों-रात बेघर हो जाएंगे।

अब इस मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार है। उम्मीद जताई जा रही है कि प्रभावित लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए कोई संतुलित और मानवीय समाधान निकाला जाएगा।

# सोशल मीडिया पर भी चुनाव आयोग की कड़ी नजर

- बिना जांच के चुनावी प्रचार पर सख्ती
- एमसीएमसी के पास भेजें अपने विज्ञापन– चुनाव आयोग

**प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता**

नई दिल्ली - चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग (ईसीआई) ने एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे अपने किसी भी राजनीतिक विज्ञापन को जारी करने से पहले उसकी जांच और मंजूरी जरूर लें। यह नियम टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया, वेबसाइट, ई-पेपर, बल्क एसएमएस और वॉइस मैसेज जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर लागू होगा। आयोग ने साफ कहा है कि बिना 'प्री-सर्टिफिकेशन' के कोई भी राजनीतिक विज्ञापन जारी नहीं किया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को अपने विज्ञापन मीडिया प्रमाणीकरण एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) के पास भेजने होंगे। यह कमेटी यह जांच करेगी कि विज्ञापन में कोई गलत जानकारी, भ्रामक दावा या एआई से बना फर्जी कंटेंट तो नहीं है। हाल के समय में एआई और फेक न्यूज के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए यह कदम काफी अहम माना जा रहा है, ताकि मतदाताओं को गुमराह होने से बचाया जा सके।

चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि उम्मीदवारों को अपने सभी असली (ऑफिशियल) सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी नामांकन के समय देनी होगी। इससे फर्जी अकाउंट्स और गलत प्रचार पर नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा, सभी राजनीतिक दलों को अपने चुनाव प्रचार पर हुए खर्च का पूरा हिसाब भी देना होगा।

## मुंबई पुलिस ने गोवंडी में आयोजित एक समारोह में

# पीड़ितों को 2.12 करोड़ की चोरी हुई और खोई हुई संपत्ति की वापस

मुंबई - एक महत्वपूर्ण रिकवरी अभियान में, मुंबई पुलिस ने जोन 6 के तहत आने वाले 10 पुलिस स्टेशनों के शिकायतकर्ताओं को रु. 2.12 करोड़ की चोरी हुई और खोई हुई संपत्ति वापस कर दी है। बरामद की गई कीमती चीजें 24 मार्च को गोवंडी में आयोजित एक समारोह में उनके असली मालिकों को सौंप दी गईं।

यह संपत्ति एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस (पूर्वी क्षेत्र) डॉ. महेश पाटिल की उपस्थिति में वापस की गई, जिन्होंने बरामद की गई चीजें पीड़ितों को वितरित कीं। पुलिस के अनुसार, बरामद की गई संपत्ति में वे कीमती चीजें शामिल हैं जिन्हें चेंबूर, गोवंडी, नेहरू नगर, चुनाभट्टी, ट्रॉम्बे, RCF, मानखुर्द, देवनार, शिवाजीनगर और तिलकनगर के पुलिस स्टेशनों में

दर्ज डकैती, घर तोड़ने, मोबाइल चोरी और अन्य अपराधों के मामलों की जांच के दौरान जब्त किया गया था।

बरामद की गई चीजों में सोने के आभूषण और बड़ी संख्या में मोबाइल फोन शामिल थे। ट्रॉम्बे पुलिस ने रु. 1.60 लाख मूल्य का 10 ग्राम सोना बरामद किया, जबकि चुनाभट्टी पुलिस ने रु.1.80 लाख मूल्य का 12 ग्राम का मंगलसूत्र बरामद किया, जिसे एक अज्ञात आरोपी ने छीन लिया था।

इसके अलावा, विभिन्न ब्रांडों के लगभग 800 मोबाइल फोन, जिनका कुल मूल्य रु. 2.08 करोड़ था, भी उनके मालिकों को वापस कर दिए गए। पीड़ितों ने अपनी खोई हुई चीजों को सफलतापूर्वक बरामद करने और वापस करने के लिए पुलिस के प्रति राहत और आभार व्यक्त किया।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS · SHOPS · BUNGALOWS
LANDS · REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
+91 9172282533
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

# महानाट्यम्: 'महाकाल्याः उत्पत्तिः'

कालावधिः ६० निमेषाः

**दृश्य १: मङ्गलाचरणम् (५ निमेषाः)**

सूत्रधारः:

यदा यदा अधर्मस्य वृद्धिः भवति, तदा तदा शक्तिः अवतीर्यते।

समूहगायनम्:

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

गीतम् (मन्दस्वरेण):

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी...

**दृश्य २: देवानां व्यथा (८ निमेषाः)**

इन्द्रः

हे देवगणाः! अस्माकं स्वर्गः नष्टः जातः!

देवः १:

शुम्भ-निशुम्भयोः अत्याचारः असह्यः अभवत्!

देवः २:

कुत्र गच्छामः? कस्य शरणं यामः?

इन्द्रः:

हे ब्रह्मा! मार्गं दर्शयतु!

ब्रह्माः

केवलं आदिशक्तिः एव रक्षणं कर्तुं शक्नोति।

सर्वे:

हे मां दुर्गा! अस्मान् रक्ष!

**दृश्य ३: देव्याः प्राकट्यम् (७ निमेषाः)**

देवी दुर्गाः

मा भैषीः देवाः! अहं भवतां रक्षणाय आगता।

देवगणाः:

अम्ब! अस्मान् त्रातुमर्हसि!

श्लोकः:

सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते॥

देवीः

अधर्मस्य नाशः अवश्यम्भावी।

**दृश्य ४: शुम्भस्य सभा (८ निमेषाः)**

शुम्भः:

अहं त्रिलोकस्य स्वामी अस्मि!

निशुम्भः:

कोऽपि अस्मान् न जयेत्!

दूतः:

महाराज! काचित् देवी युद्धाय आगता!

शुम्भः:

ताम् आनय!

**दृश्य ५: काल्याः प्राकट्यम् (१० निमेषाः)**

चण्डः:

देवि! आत्मसमर्पणं कुरु!

देवी दुर्गाः

अहं युद्धं करिष्यामि!

सूत्रधारः:

तदा देव्या ललाटात् प्रादुरभूत्– माता काली।

काली (उच्चस्वरेण):

हा! हा! हा!

गीतम्(द्रुतलये):

काली काली महाकाली, कालस्यापि कालिका।
दुष्टसंहारकर्त्री त्वं, आगता असि भूतले॥

चण्डः:

एषा का भीषणरूपा!

कालीः

अद्य भवतः अन्तः!

**दृश्य ६: रक्तबीजस्य युद्धम् (१० निमेषाः)**

रक्तबीजः:

मां कश्चन न हन्तुं शक्नोति!

देवी दुर्गाः

काली! अस्य वधं कुरु!

कालीः

अहं तस्य रक्तं पिबामि!

रक्तबीजः:

मम प्रत्येकरक्तबिन्दोः नवः असुरः जायते!

कालीः

तर्हि एकोऽपि बिन्दुः न पतिष्यति!

श्लोकः:

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता

**दृश्य ७: अन्तिमयुद्धम् (७ निमेषाः)**

शुम्भः:

त्वं एकाकिनी असि!

देवी दुर्गाः

अहं सर्वशक्तिस्वरूपा अस्मि!

निशुम्भः:

अस्माकं जयः निश्चितः!

कालीः

अहङ्कारः एव विनाशस्य कारणम्!

**दृश्य ८: काल्याः उग्ररूपम् (३ निमेषाः)**

कालीः

अहं सर्वं नाशयिष्यामि!

देवाः:

त्राहि! त्राहि!

**दृश्य ९: शिवेन शमनम् (५ निमेषाः)**

भगवान शिवः

अधुना समयः आगतः।

(शिवः भूमौ शयते)

कालीः (पादौ पतति)

कालीः

अहो! महादेवः!

शिवः:

शान्ता भव।

श्लोकः:

शवारूढां महाभीमां घोरदंष्ट्रां हसन्मुखीम्।

**दृश्य १०: उपसंहारः (५ निमेषाः)**

सूत्रधारः:

एवं अधर्मस्य नाशः अभवत्, धर्मस्य विजयः अभवत्।

समूहगायनम्:

***जय काली, जय काली, जय महाकाली माता।***
***तव महिमा अपरम्पारा, जय जय जगदम्बे॥***

सर्वे:

जय माता काली!

# धीरेन्द्रनाथदत्तः भाषायाः माध्यमेन् राष्ट्रचेतनायाः जागरणम्

धीरेन्द्रनाथ दत्त नामकः सः विरलः जननायकः आसीत्, येन भाषा केवलं सांस्कृतिकपरिचयस्य विषयः न कृतः, अपि तु लोकतान्त्रिकाधिकारस्य जनस्वाभिमानस्य च मूलाधाररूपेण प्रतिष्ठापिता। द्वितीय-नवम्बर-दिने १८८६ तमे वर्षे कुमिल्ला (अधुना बांग्लादेश) अस्य जन्म अभवत्। सः प्रख्यातः विधिवेत्ता जनप्रतिनिधिश्च आसीत्, यस्य स्वरः विभाजनानन्तरं निर्मितस्य पाकिस्तान राष्ट्रस्य संविधानसभायां जनभावनानां प्रतिनिधित्वं कृतवान्।

१९४८ तमे वर्षे सः प्रस्तावं स्थापितवान् यत् बाङ्गलाभाषायाः अपि राज्यभाषारूपेण स्वीकृतिः भवेत्, यतः राष्ट्रस्य बहुसंख्यकाः जनाः एतां भाषां प्रयुञ्जते। अस्य तर्कः केवलं युक्तियुक्तः न् आसीत्, अपि तु लोकतन्त्रस्य मूलभावनायाः जनप्रतिनिधित्वस्य आधारे स्थितः आसीत्। तथापि सत्ताकेन्द्रितशक्तिभिः एषः प्रस्तावः अस्वीकृतः अभवत्।

यदा मोहम्मद अली जिन्ना उदूर्भाषामेव एकां राज्यभाषां घोषितवान्, तदा असन्तोषः जनान्दोलनरूपेण विकसितः। छात्राः, बुद्धिजीविनः, सामान्यजनाश्च मागेषु अवतीर्णाः। १९५२ तमे वर्षे भाषान्दोलनम् अस्य संघर्षस्य परिपाकः अभवत्, यत्र अनेकेषां जनानां बलिदानम् अभवत्। एषा चेतना अनन्तरं १९७१ तमे वर्षे बांग्लादेश मुक्ति संग्राम इत्यस्य आधारः अभवत्।

सः स्वसिद्धान्तेषु कदापि न चलितवान्। १९७१ तमे वर्षे सः पाकिस्तानीसेनया गृहीतः, अनन्तरं च तस्य हत्या कृता। अस्य बलिदानं दर्शयति यत् विचाराणां शक्तिः अन्ततः इतिहासस्य दिशां निर्धारयति।

धीरेन्द्रनाथदत्तस्य संघर्षः स्पष्टयति यत् भाषा केवलं संप्रेषणस्य साधनं न, अपि तु अस्मिता, अधिकारः, आत्मसम्मानस्य च आधारः अस्ति। यदा जनभाषायाः सम्मानः न भवति, तदा आन्दोलनं जायते तदेव आन्दोलनं राष्ट्रस्य भविष्यं परिवर्तयति।

# तैलसंकटं बैंकप्रशासनिकाघातश्चः बाजारस्य उपरि दबावः

मार्चमासस्य अन्तिमः सप्ताहः भारतीय-शेयर-बाजारस्य अत्यन्तचञ्चलतायाः चिन्तायाश्च द्योतकः अभवत्। निफ्टी-पञ्चाशत् तथा सेन्सेक्स इत्येतौ पूर्वगिरावटात् उत्थातुं प्रयत्नवन्तौ, किन्तु वैश्विकपरिस्थितयः तयोः स्थैर्यं दातुं न अशक्नुवन्। पश्चिम-एशियायां वर्धमानसंघर्षस्य कारणात् कच्चतैलस्य मूल्यानि अत्यधिकं वर्धितानि, येन भारतस्य आर्थिकव्यवस्था दबावमधिगतवती।

अस्मिन्नेव समये एचडीएफसी-बैंकस्य अध्यक्षस्य आकस्मिकत्यागपत्रं निवेशकानां विश्वासे संकटमुत्पादितवान्। बैंक-क्षेत्रे अस्य व्यापकः प्रभावः दृष्टः। रुप्यकस्य अवमूल्यनमपि जातम्, येन विदेशिनिवेशकानां निर्गमनप्रवृत्तिः अधिका जाता।

यद्यपि सूचना-प्रौद्योगिकी-औषधिक्षेत्रयोः किञ्चित् स्थैर्यं दृष्टम्, तथापि समग्रबाजारः अनिश्चिततायां स्थितः।

वैश्विकसंघर्षः आन्तरिकप्रशासनिकसंकटं च संयुक्तरूपेण अर्थव्यवस्थां गभीरतया प्रभावितुं सर्मथौ स्तः।

# सकारात्मकदृष्ट्या जीवनं सरलं कुर्वीत्

अद्भुतं वद्यम् - केवलं स्वकर्मे नियतं कर्म कुर्वन् अपि कतिपयजनानां क्लेशं जनयति। वयं केवलं स्वकर्तव्यानि पालनं कुर्मः, किन्तु कतिपयजनाः तद्विरोधं कुर्वन्ति अथवा मिथ्याभिप्रायं कृत्वा अवगच्छन्ति। अनैवाश्रितं परामर्शं, सहाय्यं च दातुं अपि कतिपयजनानां दृष्टौ हस्तक्षेप वा शोबाजि इव दृश्यते।

जीवने प्रतिव्यक्ति भिन्नः भवति। कतिपयाः केवलं जीवनं यान्ति, कतिपयाः अनुभवात् शिक्षां प्राप्नुवन्ति, कतिपयाः परेषां प्रेरणायां जीवनं योजयन्ति, किन्तु कतिपयाः एव, येषां सन्निवेशनं जीवने रंगं आनन्दं च आनयति। एषः अन्तरः अवगन्तव्यः।

जीवनं कठिनं भवति, द्वाभ्यः कारणाभ्यः। प्रथमम्-यदा वयं स्वसुखक्षेत्रात् बहिः गत्वा नूतनं अधिगच्छामः। द्वितीयम् - यदा वयं तत्रैव स्थिराः भवामः, चिन्तनं न परिवर्तयन्तः दृष्टिकोनं न विकसितयन्तः। क्लेशाः समस्याश्च प्रायः चिन्तनदृष्टिकोणात् एव उद्भवन्ति।

समाधानं सरलम्-चिन्तनं परिवर्तय। यदा दृष्टिकोनः सकारात्मकः मुक्तःच भवति, समस्याः अवसररूपेण समाधानरूपेण च प्रकाशं यान्ति। चिन्तनपरिवर्तनं मानसिकशान्तिं, संतुलनं, आत्मविश्वासं च प्रददाति। जीवनस्यान्तर्गतम् अपि कठिनताः आगमिष्यन्ति, किन्तु ताः अनुभवः दृढं परिपक्वं च करोति। वास्तविकानन्दः प्रसन्नता च दृष्टिकोनं एव आश्रितम्। दृष्टिकोनं सकारात्मकं कुर्वन्तु, अनुभवात् शिक्षां गृह्णन्तु, सर्वे परिस्थितयः समाधानरूपेण पश्यन्तु, प्रतिदिनं शिक्षायाः, वृद्धयाः, प्रसन्नतायाः च अवसरं मन्यन्ताम्।

दृष्टिकोनं शक्तिः भवति। तं सजगं सकारात्मकं च कुर्वन्तु। जीवनं सरलम्, सुन्दरम्, प्रसन्नमयं च भवति।

**बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती**

**Dr Vandana Mishra**
**M.A. NET(JRF) PHD**

Spiritual Special Edition

# From the Restless Mind to the Divine: A Seeker's Resolve and the Eternal Message of the Gita

Dr. Mishra Ashishkumar Prabhunath
BAMS (Mumbai)

In the modern age, the greatest struggle of human life is not with the external world, but with the restless nature of one's own mind. This mind repeatedly drifts away from the Supreme Truth and becomes entangled in fleeting and transient pursuits. In such a state, a seeker's honest acknowledgment that the mind strays again and again is not a sign of weakness, but the very beginning of awakening. The resolve of a seeker to bring the mind back and establish it firmly in the Divine is deeply inspiring. This alone constitutes the highest duty of human life to not allow the mind to wander endlessly, but to continually guide it back into the presence of the Supreme.

With humility, the seeker makes a heartfelt appeal: whatever has been spoken in life that was not centered on the Divine may be forgotten. From this very moment onward, the resolve is clear—thoughts, contemplation, and expression shall revolve solely around the Supreme. What has passed is gone; what lies ahead shall be dedicated entirely to the remembrance of the Divine.

The Eternal Message of the Bhagavad Gita This profound resolve finds its roots in the timeless wisdom of the Bhagavad Gita.

"Where there is Lord Krishna, the Lord of Yoga, and where there is Arjuna, the wielder of the bow, there abide prosperity, victory, divine glory, and firm righteousness." This verse is not merely a description of a battlefield it symbolizes that wherever divine guidance and sincere human effort unite, success and righteousness inevitably prevail.

Lord Krishna's words shine as a beacon of hope for all humanity: "Even if a person of most improper conduct worships Me with exclusive devotion, he is to be regarded as righteous." (9.30)

This teaching reveals that transformation is always possible. Regardless of one's past, sincere devotion in the present can shape a luminous future. He further assures: "My devotee never perishes." (9.31) This declaration becomes a foundation of faith and courage for every seeker.

**The Path of Surrender**

The message of the Gita is direct and profound: "Fix your mind on Me, become My devotee, worship Me, and bow down to Me." (9.34) In essence, true spiritual practice lies in dedicating one's mind, actions, and emotions entirely to the Divine. When a seeker attains this state, one becomes Brahmabhūta free from sorrow and desire, established in equanimity toward all beings, and immersed in supreme peace.

Ego versus Grace The Lord also offers a clear warning: "If, out of ego, you do not heed My words, you shall perish." This is not merely a spiritual principle, but a universal law of life where ego prevails, downfall follows; where surrender exists, growth and grace unfold.

**The Call to Complete Surrender**

The culminating message of the Gita is: "Abandon all forms of duty and surrender unto Me alone." (18.66)

This is an invitation to transcend complexities and rest entirely in the Divine, which alone leads to liberation.

**Final Reflection**

This is not merely an individual's realization, but a universal message for all humanity. When one begins to perceive the Divine within oneself and in all beings, the true essence of life reveals itself.

Ultimately, this alone is the truth: The Supreme alone is the real existence; all else is transient.

The author bows to the Divine present in each one of you and prays that we may all remain steadfast in that divine awareness.

*Glory to Lord Krishna | Hari Om Tat Sat*

# IIA And UP Skill Development Mission Join Forces To Bridge Industry-Academia Gap, Strengthen Skilled Manpower

Lucknow: A joint meeting between the Indian Industries Association (IIA) and the Uttar Pradesh Skill Development Mission (UPSDM) was held at IIA Bhawan in Gomti Nagar to strengthen industry-aligned skill development and improve workforce availability for MSMEs.

The meeting was chaired by IIA National President Dinesh Goyal and UPSDM Mission Director Pulkit Khare, with a focus on bridging the gap between skilled manpower and industry requirements.

Addressing the gathering, Goyal said that skilled manpower remains the backbone of MSME growth as it directly impacts product quality, cost efficiency and competitiveness. He stressed the need to align education with evolving industry demands, noting that rapid technological advancements have widened the gap between academic learning and practical skills. He added that post-education skill development and structured on-the-job training should become key drivers of employability and entrepreneurship.

Goyal also expressed gratitude to state leadership, including Skill Development Minister Kapil Dev Agarwal and Principal Secretary Hari Om, for their support in strengthening vocational education in the state.

During the meeting, Khare presented various UPSDM schemes and assured full cooperation in aligning them with industry needs. He said the mission would work closely with industry stakeholders to ensure effective implementation and better outcomes.

Highlighting a key initiative, IIA Senior Vice President Alok Agarwal detailed the association's zero-cost employment services, which facilitate direct connections between job seekers and industries without any charges for employers or candidates. He proposed integrating this platform with UPSDM systems to create a seamless employment ecosystem.

Khare welcomed the proposal and assured support for its integration, terming it an innovative step towards improving job accessibility and industry linkages.

**Industry Voices Heard**

**Industrial members present at the meeting raised concerns over the shortage of skilled manpower, training quality and the need for industry-specific workforce development. Taking note of the issues, Khare directed officials to ensure prompt action and improve coordination with industry stakeholders.**

The meeting concluded with a consensus on strengthening collaboration between IIA and UPSDM to enhance skill development frameworks and ensure better employment opportunities across the MSME sector.

# What is the treatment procedure for HPV and herpes

Certain medications can help treat genital warts caused by HPV, and if necessary, warts can be removed through procedures such as cryotherapy (freezing), laser therapy, surgical excision, or chemical treatments. In some cases, the immune system clears HPV naturally over time.

On the other hand, the treatment for herpes involves antiviral medications, such as acyclovir, valacyclovir, or famciclovir, which can help lower the frequency and severity of outbreaks. These medications do not cure herpes but can reduce symptoms, suppress viral shedding, and lower the risk of transmitting the virus to others.

For both HPV and Herpes, maintaining a healthy immune system through proper diet, regular exercise, and stress management can support the body's ability to manage symptoms and reduce the likelihood of recurrence.

# LPG Supply For Households That Do Not Take Up PNG Where Available To Be Cut : Govt Order

New Delhi: In a major push for piped gas by the Centre, the government has ordered that LPG supply will be cut off if consumers fail to switch to piped natural gas where it is available.

The order comes as India grapples with supply disruptions triggered by the war in the Middle East, which has impacted shipments of liquefied petroleum gas (LPG) from key sources. The order makes it clear: once an authorised entity informs a household that PNG is available, it is mandatory to switch. Households will have just three months to opt for PNG once notified. "The LPG supply to such an address shall cease after three months from the date of the communication," according to the order.

The order aims to push households and commercial establishments to switch to PNG, which is supplied continuously through pipelines directly to kitchen burners and eliminates the need to book refills. The provision, however, allows continuation of LPG supply in cases where it is "technically infeasible" to provide a piped connection, subject to the issuance of a no-objection certificate (NOC) by the authorised entity.

According to the order, entities controlling access to housing complexes must grant permission within three working days, while last-mile PNG connectivity is to be provided within 48 hours. Applications seeking pipeline connectivity in housing areas cannot be rejected.

# PUPILS TIMES

Friday, 27 March to 2 April 2026


# Indias Outbound Tourism Faces 60-80% Cancellation Amid West Asia Conflict

## International Travellers Hit By

Mumbai: India's outbound tourism sector, which was gearing up for a record-breaking summer, is now facing a severe downturn as the escalating conflict in West Asia has triggered a wave of mass cancellations and a near-total halt in new international travel inquiries. Tour operators have recorded cancellations of about 60-80% of the international bookings while the remaining travellers are reportedly in a 'wait-and-watch' mode to monitor the geopolitical situation. The recent outbound travel trend for the vacation season in Summer shows that Indians majorly prefer visiting destinations in the West, including Europe and the United States. Most of these travellers book their travel packages at least three to four months in advance to get the best deals on flights and hotels. However, the West Asia conflict has forced these scheduled travellers to reconsider their plans.

According to the associations of Indian tour operators, around 60% of international bookings for the April–June period have already been cancelled. Those who booked their travel post June are in a 'wait-and-watch mode, delaying final payments or cancellation to save themselves from additional charges in the hope that the geopolitical situation might get better.

Mumbai-based Sameer Karnani, managing committee member of Travel Agents Association of India and the chairman of its airline council, said that various group departure companies have discontinued their departures for the upcoming season. "While safety is the first concern of travellers while visiting an international destination, the rising airfares is the second-most contributing factor to these cancellations. Around 60% of the international bookings have been completely cancelled or have been shifted to domestic travel," he said.

Mumbai-based Kumar Verma, who is the director of travel company Saturday Script, said that he has witnessed around 70-80% cancellation of international bookings.

# Persistent Pain Two Months After Spine Surgery

## A Scientific Exploration of Causes, Impact, and Management

Pain following spine surgery is generally considered a normal part of the healing process. However, when this pain persists beyond 6 to 8 weeks, it can no longer be classified as a routine postoperative response. Instead, it reflects a more complex clinical condition, often described in medical science as a subacute to early chronic pain state, involving both peripheral and central mechanisms.

During spine surgery, muscles, ligaments, and nerve roots may undergo direct or microscopic injury, triggering an inflammatory response. This process involves the release of inflammatory mediators such as prostaglandins and cytokines, which enhance pain sensitivity. If tissue healing is delayed or incomplete, pain may persist for an extended duration.

In addition, in many patients, neuropathic pain develops due to nerve root compression or intraoperative manipulation. This type of pain differs from nociceptive pain and is typically characterized by sensations such as burning, tingling, or electric shock–like pain. Mechanistically, this involves ectopic neural discharges, demyelination, and abnormal pain signaling pathways.

As pain persists over time, its effects extend beyond the site of injury to involve the spinal cord and brain. This phenomenon, known as central sensitization, results in heightened responsiveness of the central nervous system to pain signals. Consequently, even mild stimuli may be perceived as intensely painful. Concurrently, activation of glial cells such as microglia and astrocytes leads to neuroinflammation, further sustaining the chronic pain state.

Clinically, this condition presents as persistent or recurrent back and leg pain, often accompanied by neuropathic symptoms such as tingling or burning sensations. Patients may also experience stiffness, reduced mobility, sleep disturbances, fatigue, and psychological symptoms including anxiety and depression, which can further exacerbate the condition.

If not appropriately addressed, this persistent pain may progress to Failed Back Surgery Syndrome (FBSS), a condition in which patients do not achieve the expected relief following surgery. Other complications may include epidural fibrosis, where scar tissue forms and compresses nerve roots, and adjacent segment degeneration, resulting from altered spinal biomechanics placing additional stress on nearby segments.

Our Cognitive Power

**Dr. Arvindsingh Rana**
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES


In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

# At the Crossroads of Ambition: Choosing Between Numbers, Money and Machines

Mumbai: In today's rapidly evolving world, education and career choices are no longer limited to earning a livelihood; they have become defining elements of identity, stability, and long-term direction. The modern youth aspires not only for financial security but also for intellectual fulfillment and global exposure. In this landscape, Actuarial Science, Chartered Accountancy (CA), and Data Science stand out as three powerful and promising career paths. Yet, the dilemma of choosing among them remains complex, as each demands a different mindset, skill set, and level of commitment

Raghvendra Mishra
(SAP Software Engineer)


Actuarial Science represents the domain of precision and foresight. Rooted deeply in mathematics, probability, and statistics, it focuses on assessing future financial risks. It is best suited for individuals who enjoy solving complex numerical problems and possess strong analytical abilities. Though the work of actuaries often remains behind the scenes, their calculations shape critical sectors like insurance, pensions, and investments. The profession offers exceptional financial rewards and international opportunities, but the journey is demanding, with rigorous examinations requiring patience, discipline, and perseverance.

Chartered Accountancy, on the other hand, is a time-tested and respected profession. It revolves around financial management, taxation, auditing, and compliance. Unlike actuarial science, it involves direct interaction with clients, businesses, and institutions. This makes communication skills, logical reasoning, and legal awareness essential. In India, CA continues to be a stable and prestigious career, with a clear structure and consistent demand. While its examinations are challenging, the pathway is well-defined, offering a sense of security and professional recognition.

Data Science symbolizes the future of technology-driven decision-making. It deals with extracting meaningful insights from vast amounts of data to guide strategies and predict trends. Ideal for those inclined toward programming, technology, and analytical thinking, this field has witnessed exponential growth. Its relevance spans across industries such as healthcare, finance, education, e-commerce, and governance. The relatively quicker entry and abundant opportunities make it highly attractive for the new generation.


LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

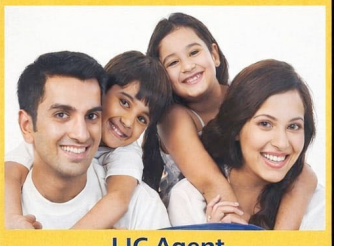

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939



PUPILS TIMES

Core Committee

**Anurag Shukla**
Chief Editor

**Shivprakash Pandey**
Chief Publisher

**Vikas Maurya**
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com



(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)



Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **JAGRUTI PRINTERS,** BYCULLA SERVICE INDUSTRIAL ESTATE 1ST FLOOR, B-101, D.K. CROSS MARG, NEAR RANIBUAG, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400027. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**